**जेएनपीए तर्फे कामगार व रोजगार मंत्रालय तसेच डीजीएफएएसएलआय यांच्या सहकार्याने 'गोदी सुरक्षा व धोकादायक रसायनांच्या हाताळणी' या विषयावर एक दिवसीय कार्यशाळेचे आयोजन करण्यात आले**

**मुंबई, 29 नोव्हेंबर 2025:** भारतातील सर्वात मोठे कंटेनर बंदर असलेल्या जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरणाने (जेएनपीए) शुक्रवारी, 28 नोव्हेंबर रोजी कामगार आणि रोजगार मंत्रालय (एमओएलई) आणि महानिदेशालय, कारखाना सल्ला सेवा आणि श्रम संस्थान (डीजीएफएएसएलआय) यांच्या सहकार्याने 'गोदी सुरक्षा व धोकादायक रसायनांच्या हाताळणी' या विषयावर एक दिवसीय कार्यशाळेचे आयोजन केले होते. जेएनपीए बिझनेस फॅसिलिटेशन सेंटर (बीएफसी) येथे आयोजित या कार्यशाळेत बंदर प्रशासन, टर्मिनल ऑपरेटर्स, सुरक्षा तज्ज्ञ, आपत्कालीन प्रतिसाद पथके आणि उद्योग क्षेत्रातील तज्ज्ञ यांनी सहभाग घेतला. बंदरांवर हाताळल्या जाणाऱ्या धोकादायक मालाविषयी जागरूकता वाढवणे आणि कार्यप्रणालीतील सज्जता अधिक बळकट करणे हा या कार्यशाळेचा प्रमुख उद्देश होता.

हा उपक्रम म्हणजे आंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम पद्धतींचा नियमित बंदर कार्यप्रणालीमध्ये समावेश करून एक सक्षम, सुरक्षित आणि नियमांचे पालन करणारा कार्यपरिसर निर्माण करण्यासाठी जेएनपीएच्या सातत्यपूर्ण प्रयत्नांचा एक महत्त्वाचा भाग आहे.

या कार्यशाळेत तज्ज्ञांच्या नेतृत्वाखालील तांत्रिक सत्रांची मालिका होती ज्यात महत्त्वाच्या सुरक्षा विषयांचा समावेश होता.

1. धोकादायक पदार्थांच्या हाताळणीसंदर्भातील राष्ट्रीय व आंतरराष्ट्रीय नियमांचे विहंगावलोकन करणे

सहभागींना बंदर परिसंस्थेमध्ये धोकादायक पदार्थांच्या हालचाली नियंत्रित करणाऱ्या प्रमुख नियामक चौकटी,, आंतरराष्ट्रीय अधिवेशने तसेच कायदेशीर बंधने याबाबत सहभागींना माहिती देण्यात आली.

2. धोकादायक माल हाताळण्यात क्षमता आणि पर्यवेक्षण

तज्ञांनी अपघात टाळण्यासाठी आणि सुरक्षित कामकाजासाठी प्रशिक्षित कर्मचारी, कौशल्य विकास आणि योग्य पर्यवेक्षणाचे महत्त्व स्पष्ट केले.

3. बंदर परिसरातील किरणोत्सर्ग संरक्षण आणि आपत्कालीन तयारी

या सत्रामध्ये किरणोत्सर्ग सुरक्षिततेसाठी आवश्यक प्रोटोकॉल, निरीक्षण यंत्रणा आणि किरणोत्सर्गाशी संबंधित आपत्कालीन परिस्थितींना सामोरे जाण्यासाठीची तयारी यांवर सविस्तर चर्चा करण्यात आली.

4. धोकादायक रासायनिक दुर्घटनांपासून बंदर सुरक्षा

डीजीएफएएसएलआयच्या तज्ज्ञांनी बंदर परिसरातील रासायनिक धोक्यांची ओळख, प्रतिबंधात्मक सुरक्षा उपाययोजना आणि दुर्घटना नियंत्रणासाठीच्या विशेष रणनीती यांवर मार्गदर्शन केले.

5. धोकादायक रासायनिक अपघातांमुळे उद्भवणाऱ्या वैद्यकीय आपत्कालीन परिस्थितींचे निवारण

वैद्यकीय व सुरक्षा तज्ज्ञांनी प्रथमोपचार, आपत्कालीन वैद्यकीय सेवा, आरोग्य यंत्रणांशी समन्वय आणि घटनेनंतरची व्यवस्थापन प्रक्रिया याबाबत उपस्थितांना मार्गदर्शन केले.

जेएनपीए येथे आयोजित करण्यात आलेली ही कार्यशाळा भारतातील प्रमुख बंदरांमध्ये घातक रसायन व्यवस्थापन मजबूत करण्याच्या उद्देशाने सुरू असलेल्या देशव्यापी क्षमता-निर्मिती उपक्रमाचा एक भाग आहे.

या कार्यक्रमाला जेएनपीएचे उपसंरक्षक कॅप्टन बाळासाहेब पवार यांच्यासह जेएनपीएचे सर्व विभागप्रमुख व मुख्य अतिथी अणुऊर्जा नियामक मंडळाचे (एइआरबी) अध्यक्ष श्री दिनेश कुमार शुक्ला, राष्ट्रीय आपत्ती व्यवस्थापन प्राधिकरणाचे (एनडीएमए) माजी सदस्य आणि एचएसई ग्रुप, बीएआरसीचे माजी संचालक डॉ. डी. एन. शर्मा, डीजीएफएएसएलआयचे उपमहासंचालक श्री सुमित रॉय, आयआयटी मुंबई येथील रासायनिक अभियांत्रिकीचे प्राध्यापक डॉ. संदीप रॉय आदी मान्यवर उपस्थित होते. एईआरबी, बीएआरसी, आयआयटी बॉम्बे आणि डीजीएफएएसएलआय येथील येथील वरिष्ठ तांत्रिक तज्ज्ञांनीही या कार्यक्रमात सहभाग घेतला आणि मौल्यवान वैज्ञानिक, नियामक आणि कार्यान्वयन संबंधी मार्गदर्शन केले.

**जनेप प्राधिकरणाबद्दल**:

जवाहरलाल नेहरू पोर्ट प्राधिकरण (जनेप प्राधिकरण) हे भारतातील प्रमुख कंटेनर हाताळणी बंदरांपैकी एक आहे. 26 मे 1989 रोजी स्थापना झाल्यापासून, जनेप प्राधिकरण एक बल्क कार्गो टर्मिनलवरून देशातील प्रमुख कंटेनर बंदरात रूपांतरित झाले आहे.

सध्या, जनेप प्राधिकरण पाच कंटेनर टर्मिनल्स चालवते एन एस एफ टी, एन एस आय सी टी, एन एस आय जी टी, बी एम सी टी आणि ए पी एम टी बंदरात सामान्य मालवाहतुकीसाठी उथळ पाण्याचा बर्थ देखील आहे. जनेप प्राधिकरण पोर्टवर उपस्थित असलेले लिक्विड कार्गो टर्मिनल बीपीसीएल-आयओसीएल कन्सोर्टियम द्वारे व्यवस्थापित केले जाते. या व्यतिरिक्त, नव्याने बांधलेला किनारी धक्का इतर भारतीय बंदरांना जोडतो आणि किनारपट्टीवरील कंटेनरची वाहतूक वाढवते.

277 हेक्टर जमिनीवर वसलेले, जनेप प्राधिकरण भारतातील निर्यात-केंद्रित उद्योगांना चालना देण्यासाठी, अत्याधुनिक पायाभूत सुविधांसह, काळजी पूर्वक डिझाइन केलेले बहुउत्पादक विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ) देखील चालवते.

जेएनपीए वाढवण येथे एक सर्व-हवामान, डीप ड्राफ्ट, ग्रीनफिल्ड बंदर विकसित करत आहे, जे महाराष्ट्रातील भारताचे १३वे मोठे बंदर असेल. हे जागतिक स्तरावरील सर्वोत्कृष्ट १० बंदरांमध्ये स्थान मिळवणार आहे आणि स्थापनेपासून १००% हरित बंदर असेल.

**अधिक माहितीसाठी आमच्या वेबसाइट आणि सोशल मीडियाला भेट द्या:**

जेएन पोर्ट : www.jnport.gov.in

लिंक्डइन: JNPA- Jawaharlal Nehru Port Authority

एक्स: @JNPort

इंस्टाग्राम: @jnpaport

फेसबुक: @JNPA

**मीडिया चौकशीसाठी, कृपया संपर्क साधा:**

जनेप प्राधिकरण:

अंबिका सिंग

सीनियर मॅनेजर (मार्केटिंग), जनेप प्राधिकरण

मोबाईल क्रमांक: +919920372677

ईमेल: ambikasingh@jnport.gov.in

**जेएनपीए ने कर्मचारी एवं रोजगार मंत्रालय तथा डीजीएफएएसएलआई के सहयोग से ' पत्तन सुरक्षा और जानलेवा रसायनों का सुरक्षित इस्तेमाल'इस विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया**

**मुंबई, 29 नवंबर 2025:** भारत के सबसे बड़े कंटेनर पत्तन- जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरण (जेएनपीए) ने 28 नवंबर को कर्मचारी तथा रोजगार मंत्रालय (एमओएलई) और कारखाना सलाह सेवा एवं श्रम संस्थान महानिदेशालय (डीजीएफएएसएलआई) के सहयोग से ' पत्तन सुरक्षा और जानलेवा रसायनों का सुरक्षित इस्तेमाल' इस विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया था।जेएनपीए बिझनेस फॅसिलिटेशन सेंटर (बीएफसी) में आयोजित इस कार्यशाला में पत्तन प्रशासन , टर्मिनल ऑपरेटर्स, सुरक्षा विशेषज्ञ आपातकालीन प्रतिक्रिया दल और उद्योग क्षेत्र के विशेषज्ञोंने भाग लिया।

इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश पत्तन पर संभाली जाने वाली खतरनाक सामग्रियों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और संचालन प्रक्रिया अधिक मजबूत करना था। यह कार्यक्रम जेएनपीए के निरंतर प्रयासों का एक हिस्सा है, जिसका मुख्य उद्देश्य एक मजबूत, सुरक्षित, और सर्वोत्तम अंतरराष्ट्रीय नियमों का पालन करनेवाला कार्यस्थल बनाना हैं ।

इस कार्यशाला में विशेषज्ञों द्वारा संचालित तकनीकी सत्रों की एक श्रृंखला प्रस्तुत की गई, जिसमें महत्वपूर्ण सुरक्षा विषयों की विस्तृत जानकारी दी ।

1. पत्तन परिचालनमें खतरनाक पदार्थों के परिचालन पर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय नियमों का अवलोकन

सहभगियों को खतरनाक सामग्री के परिवहन से जुड़े मुख्य नियमों, अंतरराष्ट्रीय समझौतों और कानूनी जिम्मेदारियों के बारे में जानकारी दी गई।

2. खतरनाक माल के संचालन में दक्षता और निगरानी

विशेषज्ञों ने घटनाओं को रोकने और सुरक्षित माल संचालन सुनिश्चित करने के लिए कुशल मानव संसाधन, दक्षता निर्माण और निगरानी उत्कृष्टता के महत्व पर जोर दिया।

3. पत्तन परिवेश में विकिरण सुरक्षा और आपातकालीन तैयारी

सत्र में विकिरण सुरक्षा के नियम, निगरानी तंत्र और विकिरण से संबंधित आपात स्थितियों के लिए तैयारी योजना पर चर्चा की गई।

4. पत्तन सुरक्षा खतरनाक रासायनिक घटनाओं से बचाव

डीजीएफएएसएलआई के विशेषज्ञों ने पत्तन क्षेत्रों में रासायनिक खतरों से संबंधित जोखिम की पहचान, सुरक्षा उपाय और घटना नियंत्रण रणनीतियों पर प्रकाश डाला।

5. खतरनाक रासायनिक घटनाओं के वजह से उपस्थित होनेवाली आपातकालीन स्थितियों का निराकरण करना

वैद्यकीय और सुरक्षा तज्ञों ने उपस्थित सहभागियों  को प्रथमोपचार, आपातकालीन स्थिति में,स्वास्थ्य संस्थाओं के साथ समन्वय और घटना के बाद की प्रबंधन प्रक्रियाओं के बारे में मार्गदर्शन किया।

यह कार्यशाला जेएनपीए में आयोजित की गई, भारत के प्रमुख पत्तनों में खतरनाक रसायन प्रबंधन को मजबूत करने के उद्देश्य से चल रहे देशव्यापी क्षमता निर्माण कार्यक्रम का एक हिस्सा है।

इस कार्यक्रम में जेएनपीए के उपसंरक्षक कैप्टन बालासाहेब पवार सहित जेएनपीए के सभी विभाग प्रमुख और मुख्य अतिथि के रूप में परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड (एईआरबी) के अध्यक्ष श्री दिनेश कुमार शुक्ला, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के पूर्व सदस्य और एचएसई ग्रुप, बीएआरसी के पूर्व निदेशक डॉ. डी. एन. शर्मा, डीजीएफएएसएलआई के उपमहासचिव श्री सुमित रॉय, आईआईटी मुंबई के रासायनिक इंजीनियरिंग के प्रोफेसर डॉ. संदीप रॉय आदि प्रमुख हस्तियाँ उपस्थित थीं। एईआरबी, बीएआरसी, आईआईटी बॉम्बे और डीजीएफएएसएलआई के वरिष्ठ तकनीकी विशेषज्ञों ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया और महत्वपूर्ण वैज्ञानिक, नियामक और कार्यान्वयन से संबंधित मार्गदर्शन प्रदान किया।

जनेप प्राधिकरण के बारे में:

जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरण (जनेप प्राधिकरण) भारत के प्रमुख कंटेनर हैंडलिंग पतनौ में से एक है।26 मई 1989 को अपनी स्थापना के बाद से, जनेप प्राधिकरण ने एक बल्क कार्गो टर्मिनल से देश के प्रमुख कंटेनर पत्तन में परिवर्तन किया है।

वर्तमान में, जनेप प्राधिकरण पांच कंटेनर टर्मिनलों एन.एस.एफ.टी, एन.एस.आई.सी.टी, एन.एस.आई.जी.टी, बी.एम.सी.टी और ए.पी.एम.टी का संचालन करता है पत्तन में सामान्य कार्गो के लिए उथले पानी की बर्थ भी है। जनेप प्राधिकरण पत्तन पर मौजूद लिक्विड कार्गो टर्मिनल का प्रबंधन बी.पी.सी.एल आई.ओ.सी.एल कंसोर्टियम द्वारा किया जाता है। इसके अतिरिक्त, नवनिर्मित तटीय बर्थ अन्य भारतीय पत्तनों को जोड़ता है और तटीय कंटेनरों के यातायात को बढ़ाने की सुविधा प्रदान करता है।

277 हेक्टेयर भूमि पर बसा जनेप प्राधिकरण भारत में निर्यातोन्मुखी उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे के साथ एक सावधानीपूर्वक डिजाइन किया गया बहु-उत्पाद एसईजेड भी संचालित करता है।

जेएनपीए, महाराष्ट्र में भारत के 13वें महा पत्तन, वाढवण में एक सभी मौसमों में सक्षम, गहरे डुबाव वाला, ग्रीनफील्ड पतन भी विकसित कर रहा है। इसके वैश्विक स्तर पर शीर्ष 10 पत्तनो में शामिल होने की संभावना है, यह इसके स्थापना से ही 100% ग्रीन पोर्ट होगा।

**अधिक जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट और सोशल मीडिया पर जाएँ:**

जेएन पोर्ट : **www.jnport.gov.in**
लिंक्डइन: JNPA- **Jawaharlal Nehru Port Authority**

एक्स: @JNPort
इंस्टाग्राम: @jnpaport
फेसबुक: @JNPA

**मीडिया पूछताछ के लिए, कृपया संपर्क करें:**

अंबिका सिंह
वरिष्ठ प्रबंधक (विपणन), जनेप प्राधिकरण
मोबाइल नंबर: +91 9920372677
ईमेल: ambikasingh@jnport.gov.in

# JNPA Hosted One-Day Workshop on Dock Safety & Handling of Hazardous Chemicals in Collaboration with Ministry of Labour & Employment, and DGFASLI

**Mumbai, November 28th, 2025:** Jawaharlal Nehru Port Authority (JNPA), India's largest container port, hosted a One-Day Workshop on Dock Safety & Handling of Hazardous Chemicals on Friday, November 28, in collaboration with the Ministry of Labour & Employment (MoLE) and Directorate General, Factory Advice Service & Labour Institutes (DGFASLI). The workshop, held at the JNPA Business Facilitation Centre (BFC), brought together port officials, terminal operators, safety professionals, emergency responders, and industry experts to strengthen awareness and operational readiness in managing hazardous cargo at ports.

This program is a component of JNPA's persistent efforts to create a robust, safe, and compliant operational environment by making sure that international best practices are included in regular port operations.

The workshop featured a series of expert-led technical sessions covering critical safety themes:

1. **Overview of National and International Regulations on Handling of Dangerous Substances in Dock Operations**
   Participants were briefed on key regulatory frameworks, international conventions, and statutory obligations governing hazardous materials movement in port ecosystems.
2. **Competence and Supervision in Handling Hazardous Cargoes**
   Experts emphasised the importance of skilled manpower, competency-building, and supervisory excellence to prevent incidents and ensure safe cargo operations.
3. **Radiation Protection and Emergency Preparedness in Port Environments**
   The session addressed protocols for radiation safety, monitoring mechanisms, and readiness planning for radiation-related contingencies.

4. **Port Safety Against Hazardous Chemical Incidents**
   Specialists from DGFASLI highlighted risk identification, preventive safety measures, and incident control strategies specific to chemical hazards in port zones.
5. **Mitigation of Medical Emergencies Due to Hazardous Chemical Incidents**
   Medical and safety professionals guided attendees on first response, emergency medical care, coordination with health agencies, and post-incident management.

Held at JNPA, the workshop forms part of an ongoing nationwide capacity-building initiative aimed at strengthening hazardous chemical management across major Indian ports.

The event was graced by several eminent dignitaries, including Capt. Balasaheb Pawar, Deputy Conservator, JNPA, along with JNPA HoDs, Chief Guest Shri Dinesh Kumar Shukla, Chairman, Atomic Energy Regulatory Board (AERB); Dr. D. N. Sharma, Former Member, National Disaster Management Authority (NDMA) and Former Director, HSE Group, BARC; Shri Sumit Roy, Deputy Director General, DGFASLI; and Dr. Sandip Roy, Professor of Chemical Engineering, IIT Bombay. Senior technical experts from AERB, BARC, IIT Bombay and DGFASLI also participated, offering valuable scientific, regulatory and operational insights.

**About JNPA:**

The Jawaharlal Nehru Port Authority (JNPA) is one of the premier container-handling ports in India. Since its inception on May 26, 1989, JNPA has transformed from a bulk cargo terminal into the premier container port in the country.

Currently, JNPA operates five container terminals - NSFT, NSICT, NSIGT, BMCT and APMT. The Port also has a Shallow Water Berth for general cargo. A Liquid Cargo Terminal present at the JNPA Port is managed by the BPCL-IOCL consortium and the additional liquid cargo terminal developed by JNPA will be operated by M/s JSW - JNPT Liquid Terminal Pvt. Ltd. Additionally, the newly constructed coastal berth links other Indian ports and facilitates enhancing the traffic of coastal containers.

Nestled across 277 hectares of land, JNPA also operates a meticulously designed multi-product SEZ, with state-of-the-art infrastructure, to boost export-oriented industries in India.

JNPA is also developing an all-weather, deep-draft, greenfield port at Vadhvan, the 13th Major Port of India in Maharashtra. It is poised to be among the top 10 ports globally and will be a 100% green port since its inception.

**Visit our website and social media to learn more:**

JN Port: www.jnport.gov.in

LinkedIn: JNPA- Jawaharlal Nehru Port Authority

X: @JNPort

Instagram: @jnpaport

Facebook: @JNPA

**For media enquiries, please contact:**
Ambika Singh
Sr. Manager (Marketing), JNPA
Mob: +919920372677
E-mail: ambikasingh@jnport.gov.in